खबर संक्षेप

कमिश्नर ने उमरार बांध में निर्माणाधीन इनटेक वेल का किया निरीक्षण

उमरिया। कमिश्नर बी.एस. जामोद जिले के पाली जनपद पंचायत में आकाशकोट समूह जलप्रदाय योजना अंतर्गत उमरार बांध में निर्माणाधीन इंटेकवेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित महाप्रबंधक जल जीवन मिशन धर्मेंद्र भंडारी ने कमिश्नर को उमरार बांध में निर्माण हो रहे इंटेक वेल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस बांध में निर्माण हो रहे इंटेक वेल के माध्यम से इसके आस पास के 109 गांवों में पानी उपलब्ध कराया जाएगा। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री वीएस जामोद ने आकाश कोट समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत निर्माण हो रहे पाइपलाइन के निर्माण सामग्री का भी निरीक्षण किया, एवं निर्देश दिए की हो रहे निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता युक्त सामग्री का उपयोग किया जाए। कमिश्नर ने महाप्रबंधक जल जीवन मिशन को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन इंटेक वेल का कार्य समय सीमा में एवं उच्च गुणवत्ता के साथ कराया जाए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की इस इंटेक वेल के आसपास के ग्रामों में पानी उपलब्ध कराया जाए यह सुनिश्चित करें। इस दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया सहित अन्य अधिकारी भी साथ रहे।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों के विरुद्ध हुई एनएसए की कार्रवाई

शहडोल। जिला मुख्यालय से सटे एक ग्राम में नाबालिग से दुष्कर्म के पांचों आरोपितों के विरुद्ध एनएसए की कार्रवाई की गई। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तरुण भटनागर ने पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के प्रस्ताव को संवेदनशीलता से लेते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3(2) के तहत पांचों को तीन महीने के लिए निरुद्ध करने का आदेश जारी किया है। थाना कोतवाली शहडोल क्षेत्र के ग्राम छह मई को एक नाबालिग के साथ पांच आरोपितों ने दुष्कर्म किया था, जिस पर कोतवाली में पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध हुआ है। क्रूरतापूर्ण तरीके से गंभीर, सनसनीखेज एवं जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने घटना की गंभीरता को देखते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत आरोपितों को निरुद्ध करने के लिए जिला दंडाधिकारी को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। साथ ही पुलिस द्वारा प्रकरण की विवेचना चिन्हित श्रेणी अंतर्गत की जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 3 माह के लिए निरुद्ध किए गए पांचों आरोपित जिममें ऐश्वर्य निधि गुप्ता उर्फ लल्लू गुप्ता पुत्र स्वामीशरण गुप्ता 36 वर्ष निवासी ,साहिल कुरैशी पुत्र सहीद कुरैशी 22 वर्ष , कैलाश उर्फ मन्नू पनिका पुत्र राजू पनिका 29 वर्ष, मोह. समीम पुत्र मोह. अकरम 18 वर्ष , मोह. अफजल अंसारी पुत्र मोह. फारुख अंसारी 28 वर्ष सभी निवासी ग्राम कल्याणपुर शहडोल शामिल हैं।

पिता पर दर्ज हुआ छेड़छाड़ का मामला

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शराब के नशे में धुत एक पिता ने घर में सो रही अपनी ही 17 वर्षीय नाबालिग़ बेटी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। किसी तरह नाबालिग़ ने घर के बाहर भागकर अपनी अस्मत बचाई और मामला थाने तक पहुंच गया। मां और परिवार के अन्य सदस्य बाहर गए थे। जानकारी के अनुसार शराबी पिता नशे में घर पहुंचा, उस समय घर में केवल उसकी पुत्री बिस्तर में सो रही थी। अंदर आकर पिता उसके बगल में लेट गया और अश्लील हरकत की।

फौरी सुरक्षा देने वाली 100 डायल का दम उखड़ रहा

जिले में तीन वाहन खराब पड़े, मेंटिनेंस में हो रही लापरवाही

शहडोल

नागरिकों को फौरी सुरक्षा प्रदान करने के लिए शासन द्वारा संचालित किया गया हंड्रेड डायल सिस्टम अब धीरे धीरे स्वयं ही अव्यवस्थाओं का शिकार होकर दम तोड़ता नजर आ रहा है। जिले भर के थानों के अधीन चलने वाले वाहन अब दुर्दशा के शिकार होते जा रहे हैं। इस सिस्टम को संचालित करने वाली ठेका कंपनी बीवीजी भी एक कोने में दुबकी बैठी है। क्योंकि उस पर अयोग्यता का पहले ही आरोप लग चुका है, इसका ठेका भी समाप्त हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई नई चाक चौबस्त व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। जिले में कुल 15 की संख्या में 100 डायल चल रहे हैं लेकिन इनमें से 3 खराब पड़े हैं। इतनी संवेदनशील और अनिवार्य सेवा के वाहनों का खराब पड़े रहना सेवा को प्रभावित करने का परिचायक है। जनमानस का कहना है कि कंपनी की गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली से वह सेवा प्रभावित हो रही है जो कि मुसीबत के समय लोगों के लिए सबसे बड़ी मददगार साबित हो रही थी। प्रदेश की संवेदनशील सरकार की भी यही चाह रही थी कि लोगों को त्वरित राहत प्रदान की जा सके।

यहां के वाहन खराब

100 डायल की सुविधा प्रत्येक थाने में उपलब्ध कराई गई है। लेकिन कोतवाली शहडोल, पपौंध और देवलौंद थानों के 100 डायल वाहन खराब पड़े हैं। कोतवाली के वाहन का तो

टायर ही खराब हो गया है। वाहनों में सुधार कब तक हो पाएगा यह भी किसी को जानकारी नहीं है। बताया जाता है कि वाहनों का समुचित रूप से रखरखाव नहीं होने से वाहन खराब होते जा रहे हैं। अब यह वाहन पूर्व की तरह उतनी तत्परता से पहुंच भी नहीं पाते हैं। क्योंकि वर्षों पुराने यह वाहन न तो बदले जा रहे हैं और न इनकी ढंग से मरम्मत ही कराई जाती है। इनका रखरखाव रीवा व शहडोल में किए जाने का प्रावधान है लेकिन इनकी कहीं भी समुचित रूप से मरम्मत नहीं कराई जाती है।

प्राथमिकता होती है तय

बताया गया कि काम चलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था का सहारा लिया जाता है। कोतवाली को सोहागपुर थाने का वाहन लेना पड़ता है और देवलौंद को ब्यौहारी थाने से मदद लेनी होती है। लेकिन अगर कहीं कोई ऐसी स्थिति निर्मित हो जाए कि दोनो जगह वाहन की मांग हो तो ऐसी स्थिति में थाना प्रभारी यह तय करेंगे कि कौन सी घटना ज्यादा गंभीर है और फिर इसी प्राथमिकता के आधार पर वाहन दिया जाएगा। अब संकट में फंसे नागरिक को राहत पहुंचाने के लिए भी प्राथमिकता देखी जाती है। लापरवाही के कारण लाखों रुपए के वाहन कबाड़ होते जा रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में अन्य थानों के 100 डायल वाहन भी जवाब दे जाएंगे।

अयोग्य करार हुई थी कंपनी

बीवीजी कंपनी का कार्यकाल 2020 में पूरा हो गया था। नए टेण्डर की शर्तों में खरी नहीं उतरने के कारण कंपनी को अयोग्य करार दिया गया था। जिसके बाद कंपनी ने हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में याचिका लगाई थी। लेकिन यहां से भी कुछ नहीं हुआ। इसके बाद हैदराबाद की कंपनी को जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया था पर उसका भी कुछ पता नहीं चल रहा है। हालत यह है कि आज भी वही पुरानी व्यवस्था चल रही है। वाहन अनफिट हैं। टाटा सफारी की जगह इनोवा और ग्रामीण क्षेत्रों में बुलेरो चलनी थी लेकिन यह प्रावधान ठण्डे बस्ते में हैं। जोनल अधिकारी रीवा में तथा शहडोल में जिला स्तरीय कर्मचारी हैं। लेकिन इनकी निगरानी और अनुशासन भी बेमानी साबित हो रहा है। कुल मिलाकर 100 डायल सेवा चरमराने लगी है।

उपस्थिति पंजी पूर्ण जानकारी के साथ तैयार करें: कमिश्नर

उमरिया। कमिश्नर बीएस जामोद ने जिले के करकेली विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र पठारी कला का अधिकारियों के दल के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने उप स्वास्थ्य केंद्र पठारी कला में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं शिशु के पंजीयन रजिस्टर का अवलोकन किया। पंजीयन रजिस्टर में पूर्ण जानकारी नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने एएनएम पठारी कला गीता बैगा को निर्देश दिए की पंजीयन रजिस्टर को सम्पूर्ण जानकारी के साथ तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिए की गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर लगने वाले टीके के बारे में जानकारी दें एवं निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर टीके लगाए जाएं, साथ ही 0 से 5 वर्ष तक के शिशु को भी समय पर आवश्यक टीके लगाए जाएं यह सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.मेहरा को निर्देश दिए कि जिले अंतर्गत समस्त स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों के कार्य प्रणाली को सुदृढ़ एवं कारगर बनाएं। कमिश्नर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उमरिया को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों के लिए पर्याप्त व्यवस्था एवं समुचित मात्रा में दवाईयां मुहैया कराई जाए। इस दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया भी साथ रहे।

अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ उठा कार्रवाई का ज्वार उतर रहा

माफियाओं के लिए बहाल हो रहा अनुकूल माहौल

शहडोल। एएसआई महेन्द्र सिंह वागरी की हत्या के बाद पुलिस-प्रशासन ने रेत माफियाओं की कमर तोडने संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया था और कार्रवाई भी शुरू की थी, लेकिन यह कार्रवाई भी अन्य कार्रवाइयों की तरह एक दो दिन चलकर ठंडे बस्ते में डाल दी गई। ज्ञातव्य है कि बीते दिनों ब्यौहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेन्द्र सिंह वागरी की एक कार्रवाई के दौरान माफिया ने उन पर ट्रैक्टर चढ़ा कर उनकी जान ले ली थी। हालांकि घटना के आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और थाना प्रभारी एमएल रहंगडाले लाइन अटैच कर दिए गए। ज्ञातव्य है कि इसी तरह पूर्व में भी ब्यौहारी क्षेत्र में ही कार्रवाई के दौरान बोड्डिहा पटवारी की ट्रैक्टर से कुचल कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना से पूर्व तहसीलदार चिरामन सिंह पर हमला किया गया था। जिसमें उन्हे चोट आई थी और उनका वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इतनी हिंसक घटनाएं हो जाने के बाद भी प्रशासन माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने से कतरा रहा है। प्रशासन के इसी निकम्मेपन का लाभ उठाकर माफिया दिनोदिन दुस्साहसी होता चला गया और अब उसे हत्या करने जैसे गंभीर अपराधों से भी भय नहीं लगता।

जमकर हुई थी धरपकड़

घटना के तत्काल बाद पुलिस व प्रशासन के संयुक्त बल ने नदी नालों पर दबिश डाल कर माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। 3 पोकलेन मशीनों व 24 हाइवा सहित 4 डग्गियां जप्त की गईं थीं। यह कार्रवाई सनसनी फैला देने के लिए पर्याप्त थी। इससे ऐसा लग रहा था कि ब्यौहारी क्षेत्र जो अवैध रेत व्यापार की मण्डी ही बन चुका है, अब माफिया के चंगुल से मुक्त हो सकेगा। यहां अपराधिक गतिविधियों में कमी आएगी, लेकिन कार्रवाई आगे बढ़ाई नहीं गई। लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब माफियों का दबाव नदी नालों से समाप्त हो और उन्हे निस्तार की सुविधा मिले।

दो दिन में फिर स्थिति जस की तस

एएसआई की हत्या से पुलिस विभाग का खून तो खौला और प्रशासन भी कुपित हुआ, लेकिन यह सारा जोश दो दिन में ही ठण्डा पड़ गया। अब पुलिस अपने रास्ते और प्रशासन अपने रास्ते चल पड़े हैं। रेत माफियाओं की स्वच्छंदता के लिए अनुकूल वातावरण मिल गया। सोन नदी समेत अन्य नदी नालों पर फिर से धीरे-धीरे मशीने उतारी जाने लगीं हैं और हाइवा लोड किए जाने लगे हैं। माना जा रहा था कि प्रशासन की कार्रवाई देखकर कई माफिया भूमिगत हो गए थे, वे फिर से अपने बिलों से निकलने लगे हैं। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन से रेत ठेका कंपनी को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

नहीं सुनाई पड़ते विधायक के बोल

ब्यौहारी विधायक शरद कोल भी चुप्पी साधे बैठे हैं, जबकि उनका क्षेत्र रेत के कारण अपराध का अड्डा बनता जा रहा है। उन्होने भी अवैध रेत उत्खनन को लेकर कोई आवाज नहीं उठाई है और अपनी चुप्पी से प्रशासन का मूक समर्थन किया है। जबकि विधायक अगर चाहते तो, वे अवैध रेत उत्खनन के मुद्दे पर प्रदर्शन कर सकते थे और प्रशासन पर दबाव कायम कर सकते थे। वे क्षेत्र का भ्रमण कर सीधे प्रदेश शासन को रिपोर्ट भी दे सकते थे, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा नहीं किया। इसलिए इस मामले में उनकी भूमिका भी संदिग्ध प्रतीत होती है।

लचर शिक्षा व्यवस्था का शिकार सीएम राइज विद्यालय

कक्षा 10 वीं में 25 एवं 12 वीं में 45 प्रतिशत विद्यार्थी हुए पास

जयसिंहनगर

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा प्रदेश के सभी छात्र-छात्राओं को प्राइवेट विद्यालय की तर्ज पर अच्छी शिक्षा की दृस्टि से अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश के लगभग सभी जिलों में सीएम राइज विधालय खोले गए थे, जिन पर सरकार के द्वारा करोड़ो रूपये का खर्च भी बड़े पैमाने पर छात्रों की सभी सुविधाओं को देखते हुए किया गया था, किन्तु योजना को शुरू करते हुए सरकार ने भी शायद ये कभी नहीं सोचा होगा कि आदिवासी अंचल में तत्कालीन मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान की महत्वकांक्षी योजना का यह हश्र होगा। सबसे पहला सीएम राइज विद्यालय जयसिंहनगर में शुरू हुआ था, जयसिंहनगर में पूर्व में संचलित कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या हाईस्कूल विद्यालय एवं उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का विलय कर संयुक्त रूप से एक विद्यालय सीएम राइज विद्यालय के रूप में संचालित कर विद्यालय की कमान प्राचार्य डी.पी. कोकिला के हाथ में सौपी गई थी।

सरकार की योजना पर लगाया प्रश्नचिन्ह

जयसिंहनगर में तीन विद्यालय का विलय कर बने सीएम राइज विद्यालय का पिछले वर्ष 2023 की माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की बोडर् परीक्षा में कक्षा 10 वी का परिणाम 30 प्रतिशत एवं 12 वीं का परिणाम 48 प्रतिशत था, वहीं इस वर्ष 2024 में सम्पन्न हुई बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का परिणाम निराशाजनक रूप से और भी घटकर कक्षा 10 वी का परिणाम 25 प्रतिशत और कक्षा 12वी का परिणाम 45 प्रतिशत तक रहा, जो प्रशासन की मंशा के विपरीत है।

करोड़ों रूपये खर्च, परिणाम जस का तस

सीएम राइज विद्यालय के रूप में जयसिंहनगर में संचालित विद्यालय के लिए जयसिंहनगर के तीनो विद्यालय जिनमें कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या हाईस्कूल विधालय एवं उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर के तीनो भवनों के रंगरोगन और विद्यार्थियो की व्यवस्थाओ की दृष्टि से 2 करोड़ 85 लाख का भारी भरकम बजट खर्च किया गया था, लेकिन अफ़सोस है कि इतने बड़े बजट, बड़े नाम और शिक्षकों की बड़ी फ़ौज के बाद भी परिणाम बेहद निराशाजनक आए।

बच्चों के अभिभावकों में रोष

आदिवासी अंचल के उच्च माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है, ना सिर्फ जयसिंहनगर बल्कि आस-पास के गावों से भी बच्चे यहां से शिक्षा अध्ययन के लिए आश्रित है, प्रदेश को टॉपर देने वाले उत्कृष्ट विद्यालय की यह स्थिति बेहद निरास करती है, सीएम राइज विद्यालय के बड़े नाम के बाद भी विद्यालय में शिक्षा के गिरते स्तर पर ना सिर्फ विद्यालय में अध्ययनरत सैकड़ो विद्यार्थियों के परिजनों में नराजग़ी है, बल्कि साथ ही जयसिंहनगर में आम जनमानस में भी नगर के विद्यालय के परीक्षा परिणाम को लेकर असंतोष के भाव है, सूत्रों के अनुसार वर्तमान में विद्यालय में

पदस्थ प्राचार्य के कमजोर प्रबंधन और लचर शिक्षा व्यवस्था वर्तमान में सीएम राइज विद्यालय में घटते शिक्षा के स्तर की प्रमुख वजहों में एक है।

समीक्षा बैठक के बाद भी नहीं हुई कोई कार्यवाही

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश के द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2024 के परिणाम के बाद कलक्ट्रेट के विराट सभागार में 28 अप्रैल को सभी विद्यालयो के परिणाम की समीक्षा बैठक में कम परीक्षा फल वाले विद्यालयो के प्राचार्यो एवं शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की बात कही थी, साथ ही सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शहडोल के द्वारा सीएम राइज विद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों की एक-एक वेतनवृद्धि असंचिय प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए थे, किन्तु लगभग एक फखवाड़ा गुजर जाने के बाद भी बोर्ड परिणाम की समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर अब तक संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई।

पूर्व बीइओ को मिली थी खामिया

तत्कालीन बीईओ नीलम सिंह ने अपनी पदस्थापना के समय पर विगत कुछ माह पूर्व सीएम राइज विद्यालय का औचक निरीक्षण किया था, निरीक्षण के दौरान एक तरफ जहां विद्यालय में कक्षाएं बिना शिक्षको के ही संचालित मिली, वही शिक्षक बाजार के ठेलो पर अपने कार्यो में व्यस्त पाए गए थे, साथ ही विद्यालय भवन के एक कमरे को विद्यायल के कुछ शिक्षको के द्वारा अपनी आराम के लिए विश्राम गृह में तब्दील कर लिया जाने का मामला भी प्रकाश में आया था।

इनका कहना है

विषय मेरे संज्ञान में है, जिन्होंने भी लापरवाही की होगी, उनके ऊपर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।
आनंद राय सिन्हा
सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग, शहडोल

सीएमओ ने ली कर्मचारियों की समीक्षा बैठक

धनपुरी

नगर पालिका के सभागार में मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकडे ने राजस्व विभाग एवं जल विभाग सहित स्वच्छता विभाग की एक समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें उन्होंने मौजूद कर्मचारियों को कई दिशा निर्देश भी दिए। नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकड़े ने इस बैठक में सर्वप्रथम राजस्व विभाग के कर्मचारियों से वर्तमान में चल रही राजस्व वसूली पर एक-एक कर जानकारी ली, इस मौके पर उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व वसूली के लिए जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वह वसूली में तेजी लाएं और जो लक्ष्य दिया गया है, उसे पूरा करें। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस बात को भी कहा कि किसी भी तरह की शिकायत आम नागरिकों से ना मिले और अगर उनकी भी कोई समस्याएं हैं तो, उसके निराकरण का भी प्रयास करें। वही जल विभाग के कर्मचारियों से भी उन्होंने जलकर वसूली के संबंध में जानकारी ली और इस बात के सख्त निर्देश दिए की जलकर वसूली में किसी भी तरह की उदासीनता ना बरते, वहीं उन्होंने कहा कि जलकर से संबंधित कई शिकायतें भी उन तक आ रही है, उसे दूर करें और गर्मी को देखते हुए शहर के अंदर पेयजल व्यवस्था भी बेहतर रहे इसे लेकर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाए।

कमिश्नर ने निर्माणाधीन जन मन आवास का किया अवलोकन

उमरिया। कमिश्नर बी.एस.जामोद ने करकेली जनपद पंचायत के ग्राम अमड़ी में लंमू पिता संपत बैगा के निर्माणाधीन जन मन आवास का अवलोकन किया। इस दौरान लंमू बैगा ने बताया कि उन्हें जन-मन योजना अंतर्गत पहली किस्त 50 हजार रुपये की प्राप्त हो गई है, लम्मू बैगा ने कमिश्नर को बताया कि प्रथम किश्त के अनुसार मकान का निर्माण हो चुका है, दूसरी किश्त आने के बाद पुनः मकान निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए कि जन मन अंतर्गत मकान के निर्माण में किसी प्रकार की कोई गतिरोध उत्पन्न न हो यह सुनिश्चित करें। इस अवसर पर कलेक्टर श्री धरणेन्द्र कुमार जैन, सी ई ओ जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने कृषक सुविधा केंद्र अमड़ी का किया निरीक्षण

उमरिया। कमिश्नर बीएस जामोद ने जिले के जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत कृषक सुविधा केंद्र अमड़ी का निरीक्षण किया एवं कृषक सुविधा केंद्र अमड़ी के बारे में जानकारी ली। जिस पर कमिश्नर शहडोल संभाग को जनपद पंचायत करकेली के उप यंत्री अमित यादव ने कृषक सुविधा केंद्र उमड़ी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुविधा केंद्र में किसानों के लिए उपयुक्त खाद, बीज एवं कृषि यंत्र की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस दौरान कमिश्नर ने निर्देश दिए की कृषक सुविधा केंद्र में किसानों को कृषि कार्य हेतु उत्तम सुविधा उपलब्ध कराई जाए जिससे किसानों को खेती करने में सहायता मिल सके। इस दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया भी कमिश्नर के साथ रहे।

कमिश्नर ने ग्राम पंचायत पठारी कला का किया निरीक्षण

उमरिया

कमिश्नर बीएस जामोद जनपद पंचायत करकेली के ग्राम पंचायत पठारी कला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने ग्राम पंचायत पठारी कला के ग्रामीणों से चर्चा की एवं ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्राम पंचायत पठारी कला के ग्रामीणों ने पानी की समस्या के बारे में कमिश्नर को अवगत कराया। इस दौरान कमिश्नर ने मौके पर उपस्थित कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराने के लिए समुचित व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही ग्राम पंचायत पठारी कला में निर्मित कुएं का चौड़ीकरण करने के भी निर्देश दिए एवं साथ ही कमिश्नर ने कुएं का भी निरीक्षण किया। चर्चा के दौरान कमिश्नर ने ग्रामीणों से उचित मूल्य की दुकान में उपलब्ध कराए जा रहे खाद्यानों के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया एवं विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

6 वर्ष पुराने प्रकरण में फरार स्थाई वारंटी गिफ्तार

भालूमाड़ा। 10 मई को चौकी फुनगा द्वारा थाना भालूमाड़ा के अपराध क्रमांक 243/2018 धारा 294, 323, 326, 506, 34 ता हि. के प्रकरण में फरार स्थाई वारंटी कौशल शर्मा पिता केशव शर्मा उम्र 46 वर्ष निवासी फुनगा को गिरफ़्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया जहां से आरोपी को जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया है।

पेड़ गिरने से ट्रांसफार्मर गिरा

उमरिया। मौसम विभाग ने शुक्रवार की शाम से पहले एक बार फिर तेज आंधी तूफान के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर जिले के इलाके प्रभावित होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग में इसके लिए एडवाइजरी जारी की है , मौसम विभाग के अनुसार इन तीनों जिलों में भी तेज आंधी तूफान के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। बीते दिनों ग्राम घुलघुली के नजदीक शुक्रवार को तेज आंधी चलने के कारण पेड़ बिजली की तार में गिरने के कारण पूरा ट्रांसफार्मर गिर गया था। जिसके कारण इलाके में कई घंटे से ब्लैक आउट रहा है।

कोयला लोड मालगाड़ी की बोगी में लगी आग

कटनी। कोयला लोड मालगाड़ी की बोगी में आग लगने की जानकारी मिलने पर पुलिस पानी का टैंकर लेकर पहुंची और आग बुझाई। गत दिवस थाना प्रभारी रीठी राजेन्द्र मिश्रा को कंट्रोल रूम कटनी तथा स्टेशन मास्टर सलैया वेद राम अहिरवार ने फोन से सुचना दी कि डी एस एल डी मालगाड़ी कटनी से दमोह कोयला लेकर जा रही है जिसके बोगी मे आग लगी है बकलेहटा मे आग तथा धुआँ देखा गया है। मदद करिये। थाना प्रभारी रीठी राजेन्द्र मिश्रा ने तत्काल उकत बचाव कार्य के लिए चौकी सलैया प्रभारी विजेंद्र तिवारी को आदेशित किया, सूचना मिलते ही अपनी कार्यशैली के लिए मशहूर विजेंद्र तिवारी ने तत्काल सलैया निवासी सुशील शर्मा से तत्काल पानी से भरा टेंकर भेजने कहा जिस पर शर्मा द्वारा ड्राइवर ना होने का हवाला देते हुए मज़बूरी बताई,जिस पर चौकी प्रभारी विजेंद्र तिवारी ने स्वयं ट्रेक्टर ड्राइवर करते हुए, सलैया रेल्वे स्टेशन पहुंच गए,और धुआं धार तरीके से मददगारों की कमी होने के कारण स्वयं जलती आग की बोगी पर चढ़कर आग को बुझाया।

प्रशासन की अनदेखी से नाली के ऊपर हो गया निर्माण

विजयराघवगढ़। नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आवागमन की स्थिति सुधार में नहीं हो रही है। नगर के बीचो बीच आवागमन हेतु बिजयराघवगढ़ से उमरिया शहडोल कारीतलाई मैहर सिंनगोड़ी की ओर जाने वाले वाहनों के लिए नगर के बीचों बीच आवागमन की व्यवस्था है। विगत कई वर्षों से आवागमन में हो रही परेशानी के लिए प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। किंतु मामला ठंडा बस्ते में होने के कारण क्षेत्र भर के लोगों को आवागमन की परेशानी झेलनी पड़ रही है। जानकारों की मांने तो स्थानीय प्रशासन द्वारा ध्यान न देने के कारण स्थानीय लोगों द्वारा नाली के ऊपर निर्माण कार्य कर देने से सडक से आने जाने वाले वाहनों के कारण हमेशा जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। नाली के ऊपर निर्माण के कारण पैदल व दो पहिया वाहन से आने जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार प्रमाणित होने के बावजूद नहीं हो रही कार्यवाही

भौतरा पंचायत के खजाने को सेंध लगा रहा सचिव

उमरिया। गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज का गठन किया गया है, ताकि समस्या को गांव के लोग आपस मे मिलकर सुलझा सके और गांवों की छोटी, मोटी समस्या को पंचायत के सरपंच-सचिव, ग्रामवासी मिलकर दूर कर सकें। इसके लिए ग्राम पंचायत में मूलभूत पंद्रहवें वित्त व पंचायत को टैक्स वसूली की योजनाओं से पंचायत की खाते में राशि आती है, जिससे पंचायत की आवश्यकता अनुसार खर्च किया जाता है, लेकिन बिरसिंहपुर पाली विकासखंड में इस योजना का पैसा विकास के बजाय फर्जी बिल लगाकर किया गया है, जो सरकार व जनता के पैसे को सरपंच, सचिव व संबंधित विभाग में बैठे आलाफसर की मिलीभगत दर्शाता है।

शासकीय धन का दुरूपयोग

ग्राम पंचायत भौतरा में फर्जी बिल लगाकर जनता के विकास करने के बजाए हजम कर रहे हैं। दरअसल वर्ष 2023 के दिसम्बर माह में मतदाता आभार उत्सव के नाम पर 84 हजार सचिव द्वारा व्यय कर दिये गये, जिसमें 57 हजार का टेंट, 600 कुर्सी 6 हजार, 30 नग सोफा 1500 रूपये, 30 टेबल 1500 के अलावा अन्य चीजे शिवम लाईट एण्ड टेंट हाउस को भुगतान किया गया, ग्रामीणों की माने तो जितने सामग्री का भुगतान पंचायत सचिव-सरपंच ने किया है, उसमें बढ़ाकर बिल लगाया गया है। ग्राम पंचायत में आज भी मूलभूत समस्या बनी हुई है। जिसके समाधान करने के बजाए सरकारी धन का खुला दुरुपयोग सरपंच-सचिव के द्वारा किया जा रहा है। जिस पर कोई भी अंकुश नहीं लगाया जा रहा है।

भ्रष्ट सचिव चला रहा पंचायत

वर्तमान में ग्राम पंचायत भौतरा में चमन सिंह सचिव पदस्थ है, उनके विरूद्ध बरहाई पंचायत में किये गये गड़बड़झाले की शिकायत के बाद भ्रष्टाचार प्रमाणित हो चुका है, बावजूद इसके जिला पंचायत कार्यालय में भ्रष्टाचार की जांच पहुंचने के बावजूद कार्यवाही न होना सचिव का मनोबल बढ़ा रहा है, ऐसा पहली बार नहीं है, जब सचिव चमन सिंह पर गंभीर आरोप लगे हो, लेकिन कार्यवाही न होने के चलते आये दिन पंचायत में कथित सचिव गड़बड़झाले कर रहा है, बीते वर्षो में सचिव चमन सिंह जहां-जहां पदस्थ रहे हैं, वहां के अगर बिलों की जांच की जाये तो, शासन से धोखाधड़ी कर राशि हड़पने के आरोप में चमन सिंह पर आपराधिक प्रकरण तक दर्ज हो सकता है।

पंचायत में चलते हैं सरपंच-सचिव के नियम

ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव के द्वारा पंचायती राज अधिनियम को किनारे करते हुए अपने नियम पंचायत में चला रहे हैं। पंचायत में व्यय करने के लिए जो राशि आती है, वह राशि पंचायत पदाधिकारियों के लिए चारागाह साबित हो रही है। पंचायती राज अधिनियम के सारे नियम कानून को किनारे कर अपना कानून चला रहे कोई अंकुश लगाने वाले नहीं हैं। विकसित भारत यात्रा के नाम पर 14 जनवरी 2024 को भी ग्राम पंचायत भौतरा के जिम्मेदारों ने शिवम लाईट एंड टेंट हाउस को 66 हजार 700 का भुगतान कर दिया, इस दौरान भी टेंट पर 43 हजार 200, 500 कुर्सी 5 हजार पर भाड़े पर ली गई, मजे की बात तो यह है कि पंचायत द्वारा जो बिल लगाये जा रहे हैं, उसका मूल्यांकन किसी ने नहीं किया।

सचिव के विरूद्ध सरपंच ने की थी शिकायत

ग्राम पंचायत बरहाई, सरपंच श्रीमती बब्बी बाई ने सचिव चमन सिंह के विरूद्ध 13 अप्रैल 23 को सीईओ जिला पंचायत को पत्र लिख कर शिकायत की थी, जांच के दौरान टीम ने पाया था कि सीसी रोड निर्माण पुलिया टोला स्वीकृत वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुई थी। कार्य की लागत 13.4 लाख थी, लेकिन मौके पर कार्य नहीं हुआ और राशि 9 लाख रुपए व्यय कर दी गई है। अमोला नाला पर पुलिया निर्माण पुलिया टोला हेतु वर्ष 2021-22 में लागत 14. 36 लाख से स्वीकृत हुई। मौके पर कार्य नही हुआ जबकि राशि 7. 53 लाख रुपए व्यय कर दी गई। जांच में लेख किया गया कि ईजीएस स्कूल के छत मरम्मत का कार्य 2020-21 में स्वीकृत हुआ था। इसकी लागत राशि 1. 19 लाख रुपए थी। छत की ढलाई हो गई लेकिन फर्श का निर्माण शेष है। आंगनबाड़ी निर्माण कार्य करकटी 2016-17 मे स्वीकृत हुआ था। निर्माण की लागत 7 लाख रुपए थी। 1 लाख 42 हजार रुपए के निर्माण का मूल्यांकन हुआ, कार्य वर्तमान में बंद है। सीएसएसी करकटी 20-21 में स्वीकृत हुआ था और लागत 3. 43 लाख थी। इसमें 2. 70 लाख का मूल्यांकन हो गया है। कार्य वर्तमान में बंद है, सेप्टिक टैंक एवं फर्श कार्य शेष है। यह प्रतिवेदन उपयंत्री ने 15 मार्च 2024 को जिला पंचायत जांच दल को प्रस्तुत कर दिया।

शिक्षक बच्चों के भविष्य के निर्माता हैं: कलेक्टर

कन्या शिक्षा परिसर में शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। शिक्षक बच्चों के भविष्य के निर्माता है। बच्चों को अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले यह शिक्षको का उत्तर दायित्व है। बच्चों में शिक्षा के प्रति लगन पैदा करे, कक्षा में उनकी उपस्थिति शत प्रतिशत हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उक्त आशय के उदगार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कन्या शिक्षा परिसर में आयोजित शिक्षको के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षको में समस्त दक्षता विद्यमान है। रूक जाना नही योजना में जो बच्चे असफल हुए है, उन बच्चों को मोटीवेट करते हुए उन्हें परीक्षा के लिए तैयार करे, ताकि वे परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सके। बच्चों की स्कूल मे उपस्थिति बढाए । बच्चो मे रटने की प्रवृत्ति को कम करने तथा सीखने की लालसा को बढ़ाए। विद्यार्थी पर पास होने का दबाव नही बनाएं । शिक्षक नियमित रूप से स्कूल मे उपस्थित रहकर बच्चों को अध्यापन कार्य कराएं तथा बच्चों को शिक्षा अर्जित करने के दौरान आ रही कठिनाईयों को दूर करें । इस दौरान उन्होंने कक्षा में आनंद पूर्ण वातावरण निर्मित करने, एक टीम के रूप में काम करने, कक्षाओ का रूटीन बनाने, छात्रों से फीड बैक प्राप्त करने,अभिभावको के साथ जुड़ाव रखने के गुर प्रदान किये ।इस अवसर पर प्रदीप सिंह गहलोत, प्रचार्य कन्या शिक्षा परिसर , राज कुमार महोबिया, प्रभात रंजन वर्मा उपस्थित रहे ।

नालियां मलबे से पटी
सडक़ों पर कचरे की भरमार

नपा की लचर सफाई व्यवस्था से नागरिक परेशान

शहडोल। संभाग मुख्यालय शहडोल नगर की साफ सफाई कितनी चाक चौबस्त है, यह तो बस्तीवासी ही बता सकते हैं। जिन्हे चौबीसो घंटे गंदगी की परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। नालियां एक लम्बे अर्से से मलबों से पटी पड़ी हैं और चोक होती जा रही हैं। मच्छरों का प्रकोप तो बढ़ ही रहा है दुर्गंध इतनी उठ रही है कि लोगों का सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। नगरपालिका के सफाई कर्मी नियमित सफाई करने की बजाय शिकायत करने और सूचना देने पर भी नहीं सुनते। नगरपालिका प्रशासन इतना लचर हो चुका है कि वहां अब सुनने वाला कोई नहीं है। कर्मचारियों पर न तो कार्यालय का अनुशासन है और न अधिकारियों का कोई नियंत्रण ही रह गया है। कमिश्नर बंगले के पीछे स्थित वार्ड नंबर 13/18, पटेल नगर, बलपुरवा, सिंहपुर रोड हर जगह जहां भी सघन बस्तियां हैं वहां की नालियों की हालत और गंदगी की भरमार इसी तरह की दिखाई पड़ती है।

कहां हैं स्वच्छता प्रभारी ?

बताया गया कि नगरपालिका की सफाई व्यवस्था के लिए नगर की बस्तियों को जोन सिस्टम में बांटा गया है। सबके प्रभारी अलग हैं और सब जगह सफाई गेंग पहुंचती है। लेकिन वार्डों में न तो कभी स्वच्छता प्रभारी दिखाई देते हैं और न सफाई गेंग सफाई करने पहुंचती है। नतीजा यह होता है कि नालियों में महीनों से मलबा पड़ा रहता है। सडक़ों के किनारे कचरा पड़ा रहता है। लोगों का आना जाना कठिन हो जाता है। सफाई होती जरूर है लेकिन केवल अधिकारियों के बंगलों के आसपास सुबह 5-6 बजे। इन्ही की फोटो खींच कर भेज दी जाती है। अधिकारियों को लगता है कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त चल रही है।

नालियों की सफाई नहीं

नगर की सफाई व्यवस्था में सबसे अधिक उपेक्षा नालियों की हो रही है। ट्रैक्टर का नियमित फेरी नहीं होने के कारण नालियां मलबे से भरती रहती हैं। नियमतः समयबद्ध तरीके से नालियों की निरंतर सफाई होती रहनी चाहिए। लेकिन सफाई कर्मी अपनी मनमानी करते हुए नालियों की सफाई की जाती है। मुश्किल से महीने में एक बार ही नालियों की सफाई हो पाती है। कुछ बस्तियों में तो हालत यह है कि नालियों के ऊपर से पानी निकल कर सडक़ पर बह रहा है और रास्ते में कीचड़ फैला रहा है। आने जाने वालों के लिए तो परेशानी बढ़ा ही रही है बस्तियों में गंदगी भी बढ़ा रहा है।

बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

बस्तियों में कचरे के कारण दुर्गंध का वातावरण निर्मित हो रहा है और कचरे की भरमार तथा आए दिन की बरसात के कारण प्रदूषण के साथ ही संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। नगरपालिका के कर्मचारियों को जनस्वास्थ्य का भी ध्यान नहीं है। नगरपालिका कर्मचारी बताते हैं कि यहां कई ट्रैक्टर शहर का कचरा उठाने में लगे हुए हैं। लेकिन वे ट्रैक्टर बस्तियों के गली कूचों में क्यों दिखाई नहीं देते। ट्रैक्टर केवल मेन रोड पर चलते ही क्यों दिखाई पड़ते हैं। वास्तविकता यही है कि ट्रैक्टर भी खास जगहों की सेवा कर रहे हैं। जबकि बाकी बस्तियां उपेक्षित पड़ी रहतीं हैं।

भ्रमण नहीं करते अधिकारी

बस्तियों की हालत देखने और कर्मचारियों पर नकेल कसने के लिए जरूरी है कि चेयरमैन और सीएमओ बस्तियों का भ्रमण करें और स्वयं स्थितियों का जायजा लें। यदि उन्हे बस्तियों की स्वयं जानकारी होगी तो कर्मचारी उन्हे भ्रामक जानकारी देकर बच नहीं सकेंगे। अधिकारियों के निर्देश का उन्हे पालन करना ही पड़ेगा। अधिकारी कभी भ्रमण पर नहीं निकलते हैं इसलिए कर्मचारी बीच में अपना खेल खेलते रहते हैं। लापरवाह कर्मचारियों को दण्ड भी नहीं मिलता है इसलिए वे और भी सिर पर सवार रहते हैं।

दो हेक्टेयर से अधिक भूमि देने की प्रक्रिया लगभग ओके

सालों पुराने रेस्ट हाउस के बहुरेंगे दिन, रोजगार के भी बढ़ेंगे अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बरही क्षेत्र के खितौली वन रेंज में जल संसाधन विभाग के वर्षों पुराने रेस्ट हाउस के दिन जल्द ही बदलेंगे। यहां पर पर्यटकों का आना-जाना बढ़ेगा और रोजगार अवसर भी युवाओं को मिलेंगे। जर्जर हो चुके रेस्ट हाउस का भवन प्रकृति की गोद में खितौली डेम के बगल में बना है और पर्यटन विभाग ने उसे रिसोर्ट में परिवर्तित करने के साथ ही अन्य सुविधाएं देने के लिए जिला प्रशासन ने रेस्ट हाउस भवन सहित आसपास की भूमि की मांग की थी।

टूरिज्म विभाग को दो हेक्टेयर से अधिक भूमि देने की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है और लोकसभा चुनाव के बाद कार्रवाई आगे बढ़ेगी। जिसके बाद पर्यटन विभाग रेस्ट हाउस में नए निर्माण का कार्य प्रारंभ कर सकता है। जिसमें पर्यटकों के ठहरने, रेस्टारेंट सहित आसपास के क्षेत्र को सुंदर बनाने का कार्य कराया जाएगा।

रेस्ट हाउस को रिसोर्ट में बदलने के साथ अन्य सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन से पर्यटन विभाग ने पत्र लिखकर भूमि के आवंटन की मांग की थी। जिसपर जिला प्रशासन ने जल संसाधन विभाग से अनापत्ति लेने के साथ ही विजयराघवगढ़ व बरही तहसीलदार से प्रतिवेदन मांगा था। दोनों ही तहसील न्यायालयों ने इश्तहार का प्रकाशन करते हुए प्रतिवेदन कलेक्टर न्यायालय को भेज दिया है। रेस्ट हाउस के आसपास 5.40 हेक्टेयर भूमि खाली पड़ी है। जिसमें से 2.40 हेक्टेयर भूमि के आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई है और जल्द ही उसे पर्यटन विभाग को सौंप दिया जाएगा। 2.40 हेक्टेयर भूमि में पुराना रेस्ट हाउस बना है और उसके साथ कुछ भूमि खाली पड़ी है। जिसमें पर्यटन विभाग निर्माण कार्य कराएगा।

बांधवगढ़ की सीमा से लगे खितौली सहित उसके आसपास के गांवों में बाघों की चहलकदमी साल भर रहती है। प्रकृति के बीच बने रेस्ट हाउस का कलेक्टर अवि प्रसाद ने एक साल पूर्व भ्रमण किया था और स्थल की सुंदरता और बगल में ही खितौली का पुराना डेम होने के कारण जलसंसाधन विभाग से रेस्ट हाउस में सुधार कराने के निर्देश दिए थे। जिसमें विभाग ने कुछ सुधार कार्य कराते हुए उसका रंगरोगन भी कराया था। सुरक्षा के इंतजाम न होने से लोग रेस्ट हाउस की सामग्री निकालकर ले जाते हैं और इसके चलते भी उसे पर्यटन विभाग को सौंपा जा रहा है।

खितौली रेस्ट हाउस में पर्यटकों की सुविधा देने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग भोपाल की टीम भी एक बार भ्रमण कर चुकी है। लगभग चार साल पूर्व विभाग के दो अधिकारियों ने खितौली रेस्ट हाउस के साथ ही विजयराघवगढ़ के किले का भी भ्रमण किया था और दोनों को जिला प्रशासन से मांगा था। जिसमें विजयराघवगढ़ किले को हेरीटेज बनाने का प्रस्ताव बनाया गया था तो खितौली रेस्ट हाउस में रेस्टारेंट व ठहरने की सुविधा देने का प्रस्ताव था। बाद में किले को हेरीटेज बनाने में आपत्ति आने के बाद उसका प्रस्ताव अभी तक अधर में है।

थाना प्रभारी ने सदलबल इंदिरानगर क्षेत्र का किया भ्रमण, तत्वों में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कुठला पुलिस ने दलबल इंदिरानगर क्षेत्र में पैदल गश्त किया। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि इंदिरा नगर क्षेत्र में आम जनों की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए साथ ही इस क्षेत्र के आपराधिक तत्वों के हौसले को तोड़ने के लिए क्षेत्र में समय-समय पर पैदल गस्त करके परिस्थितियों का जायजा लिया जाता है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए निर्देशों के क्रम में इस तरह की कार्यवाही को अंजाम दिया जाता है जिस समय कुठला पुलिस इंदिरा नगर क्षेत्र में पैदल गस्त कर रही थी उस दौरान गस्त करते हुए पुलिस बल के द्वारा रास्ते में मिले संदेहियों की तलाशी लेते हुए उनसे बेवजह घूमने के संबंध में पूछताछ की गई। इसी दौरान कुछ युवक पुलिस को देख पतली गली पकड़ कर भागने का प्रयास करने लगे। जिन्हें पुलिस के द्वारा पकड़ कर सख्त लहजे में पूछताछ की गई। पुलिस को देखकर भागने वाले संदेही युवकों को सबक सिखाने के लिए कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने उठक बैठक लगवाई। थाना प्रभारी के द्वारा संदेशों को सख्त लहजे में हिदायत भी दी गई। इस दौरान कुठला थाने का बाल बड़ी संख्या में मौजूद रहा।

अवैध रेत के साथ पकड़े गये वाहन

कोतमा। अवैध उत्खनन परिवहन एवं अवैध वन अपराधो पर लगाम लगाने हेतु मुख्य वन संरक्षक वन वृत शहडोल एल एल उइके एवं वनमंडलाधिकारी अनूपपुर सुश्री श्रद्धा पन्द्रे के निर्देशन तथा उपवन मंडलाधिकारी अनूपपुर पीके खत्री के मार्गदर्शन में वन विभाग के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। 9 से 10 अप्रैल की दरमियानी रात वनपरिक्षेत्र कोतमा के गश्ती दल द्वारा वनपरिक्षेत्र कोतमा अंतर्गत बीट कल्याणपुर में आमाडांड़-कोतमा मुख्य मार्ग में केवई नदी पुल के पास वन क्षेत्र से होकर अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर वाहन रेत लोड पकडे गए हैं। वाहन 1 ट्रैक्टर मैसी फर्ग्युसन 1035 डीआई ट्राली में लोड रेत सहित दोनों बिना नंबर ट्रैक्टर मैसी फर्ग्युसन 1035 डीआइ ट्राली में लोड रेत सहित पाए गए हैं। वन अमला को देखकर एक ट्रेक्टर ड्राइवर वाहन छोडकर भाग गया है तथा दूसरे ट्रेक्टर को ड्राइवर सहित पकडा गया है। दोनो ट्रेक्टर वाहनों की जप्ती कर जप्त वाहनो को फारेस्ट कैम्पस कोतमा में लाकर सुरक्षित खडा कराया गया है। अवैध परिवहन के तहत कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही में हरीश तिवारी वन परिक्षेत्राधिकारी, के निगम उपवनक्षेत्रपाल, बीट गार्ड अभिलाष सोनी, राघवेन्द्र तिवारी, रामस्वरूप सिंह, आकाश सोनी वनरक्षक एवं अमन इमालिया वाहन चालक शामिल थे।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन 14 मई को

रीवा। जन समुदाय को स्वास्थ्य सुविधाएं सतत एवं सुचारू रूप से मिलती रहें इसके लिए 14 मई को रीवा जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। इस दिवस को आयुष्मान आरोग्य शिविर के रूप में आयोजित किया जायेगा। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रत्येक विकासखण्ड के सभी स्वास्थ्य संस्थाओं जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक एवं उपस्वास्थ्य केंद्र) में आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि जन समुदाय को स्वास्थ्य सुविधाएं उनके निवास के नजदीक ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखण्ड के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर को आयोजित किये जाने का मुख्य उदेश्य व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है जो स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। शिविर की मॉनीटरिंग जिला स्तर पर गठित टीम द्वारा की जाएगी। शिविर के लिए सभी विकासखण्डों में नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं।

युवक हुआ ठगी का शिकार

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम निघोरी का राम भगत पिता सोहन सिंह धुर्वे उम्र 22 वर्ष द्वारा पुलिस थाना समनापुर में आवेदन देकर जानकारी दी गई कि 8 मई बुधवार को लगभग 3 बजे दिन में एक अज्ञात व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 52 एमडी 4715 से उनके घर पहुंचा और कहा कि वह जीसीबी चलता हैं। और उसके पास लगभग 130 लीटर डीजल हैं। जिसे आप ले लो राम भगत तैयार हो गया, तब अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि उसकी बाइक में पेट्रोल नहीं हैं। फिर राम भगत अपनी स्वयं की बाइक पल्सर 125 एमपी 20 जेडएम 4561 लेकर गया। अज्ञात व्यक्ति ने पल्सर लेकर अपने साथी को लाने को कह कर ले गया। जोकि दूसरे दिन गुरुवार 9 मई तक वापस नहीं आया। तब राम भगत द्वारा गुरुवार को समनापुर थाना में आवेदन देकर सूचना दिया। इस प्रकार युवक ठगी का शिकार बन गया।

आकाशीय बिजली गिरने से वृद्ध की मौत

अमरपुर। पुलिस चैकी अमरपुर क्षेत्रातंर्गत ग्राम चारपानी निवासी फुंदी लाल पिता रोना गौंड उम्र 75 वर्ष घर के पास ही एक पेड़ के नीचे पहुंचा कि अचानक मौसम परिवर्तन हुआ और तेज बारिश के साथ बिजली गिरने से चपेट में आया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रात्रि में घर नहीं पहुंचने पर सुबह से परिजन तलाश करते हुए शव देख पुलिस चैकी अमरपुर में सूचना दी गई। सूचना पर चैकी प्रभारी अतुल हरदहा अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंच पंचनामा तैयार कर शव परीक्षण हेतु भेजा गया। शव परीक्षण उपरांत अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपा गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

कलेक्टर ने सीएम राइज स्कूल के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक ली

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के समस्त सीएम राइज स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक ली। उक्त बैठक में सीएम राइज विद्यालय के समस्त प्राचार्य उपस्थित रहे। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि सर्वप्रथम निर्माणाधीन स्कूलों के कार्यों की समय से पूर्ण करना है। निर्माण के दौरान वर्तमान दौर के शिक्षा के अनुसार प्राचार्य आवश्यकतानुसार परिवर्तन करवा सकते है। जैसे स्कूलों में प्रयोगशाला निर्माण कार्य को विषय विशेषज्ञों के अनुसार बनाया जा सकता है।

तबादला सीजन : कुर्सी के कब्जेदारों का हिसाब होगा?

वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे कर्मचारी अधिकारी कंपनी के लिए हानिकारक

तबादलों का मौसम आ चुका है, अन्य सरकारी विभागों कार्यालयों की भांति एसईसीएल भी इस मौसम से अछूता नहीं है।

धनपुरी।

कंपनी के नियमों के अनुकूल अथवा प्रतिकूल वर्षों से एक ही स्थान पर कुंडली मारकर बैठे अधिकारी कर्मचारियों के साथ ही अनुचित तरीके अपनाकर अंडर ग्राउंड के बजाय सरफेस अथवा कमाई दार कुर्सी पर कब्जा जमाए कर्मचारियों के स्थानांतरण की प्रबल संभावनाएं जताई जा रही हैं। हालांकि ऐसी संभावनाएं हर साल जताई जाती हैं लेकर अंत में मामला टाय टाय फिश हो जाता है और जुगाड़ टेक्नोलॉजी में माहिर अधिकारी कर्मचारी कंपनी के नियमों को धता बताने में सफल हो जाते हैं देखना यह है कि मौजूदा तबादला सीजन में किस-किस का कल्याण या बंटाधार होता है।एसईसीएल सोहागपुर एरिया द्वारा कोयला टारगेट पूर्ण होने पर एरिया लाभ दिलाने वाले एरिया के उपक्षेत्रीय प्रबंधक, खान प्रबंधक अन्य अधिकारियों

का प्रमोशन, स्थानांतरण की प्रक्रिया में एरिया अधिकारी एरिया में ही ज्यो के त्यों अपने स्थान में जमे रहेंगे या फिर अप्रैल से जून माह के बाद एरिया स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण की प्रक्रिया बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा किया जाता है। सोहागपुर एरिया के द्वारा भी एरिया स्थर में संवेदन सील स्थलों में बैठे अधिकारी कर्मचारी पर भी स्थानांतरण की गाज गिर सकती है।

सूत्रों के अनुसार कंपनी के नियमानुसार एक ही एरिया में 20 वर्षों से पदस्थ खान प्रबंधक व सब एरिया मैनेजर का स्थानांतरण एसईसीएल के बाहर अन्य एरिया में किए जाने की परंपरा रही है। सोहागपुर एरिया में आधा दर्जन ऐसे अधिकारी होंगे जो एसईसीएल एरिया के बाहर स्थानांतरण होंगे और उनके स्थान पर नए प्रबंधक सोहागपुर एरिया में पदस्थ होंगे। जो 20 वर्षों से एसईसीएल में अपनी सेवा दे रहे हैं उनका प्रमोशन,स्थानांतरण एसईसीएल के बाहर अन्य एरिया के लिए होने संभावना है।एसईसीएल के नए सीएमडी प्रेम सागर मिश्रा वर्षों पूर्व सोहागपुर एरिया के विभिन्न माइंसो में सेवा दे चुके हैं। सीएमडी बनने के बाद उन्होंने सोहागपुर एरिया की खदानों की वस्तु स्थिति की जानकारी लेने के लिए पहले दौरे के दौरान एरिया की एक एक खदानों का कोयला उत्पादन को लेकर सूक्ष्मता से पड़ताल किया था। पत्रकार के पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एरिया प्रबंधन द्वारा कोयला उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ नया मेगा प्रोजेक्ट रामपुर बटुरा खुल जाने के बाद ही सोहागपुर एरिया को करोड़ों घाटे को पहले जल्द जल्द घाटे को पाटा जा सके। कब आगे की रणनीति बनाई जाएगी जो सच साबित हो रही है ।

6 माह के मासूम के अपहरण मामले में रीवा पुलिस ने जबलपुर से मुख्य आरोपी सहित अन्य को महाराष्ट्र से किया गिरफ्तार

रीवा

जिले के सिविल लाइन थाना अंतर्गत कॉलेज चौराहा के पास से छह माह के मासूम बच्चे को चोरी करने के मामले में रीवा पुलिस ने गुरुवार को जबलपुर से दो संदेहियों को गिरफ्तार में लिया है। इनमें एक युवती भी शामिल है। दोनों को कृषि उपज मंडी के पास स्थित एक यात्री निवास से पकड़ा गया। वहीं उनका एक साथी भाग निकलने में कामयाब हो गया। दोनों को रीवा पुलिस अपने साथ रीवा ले गई है। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान के रहने वाले दंपत्ति रीवा के कॉलेज चौराहे के पास फुटपाथ पर रात मे रहते है वे सिग्नल पर सामान बेचने का काम करते है। दंपती 6 मई की रात सड़क किनारे सो रहे थे। साथ में तीन साल का बड़ा बेटा और छह माह छोटा बच्चा भी था। रात दो से ढाई के बीच बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे। बाइक को थोड़ा दूर रोका और मच्छरदानी हटाकर बच्चा उठा लिया। बच्चे ने रोना शुरू किया। माता-पिता की नींद खुली। वे जागे, तब तक आरोपी बाइक में बच्चे को लेकर वहां से भाग निकले। मामले में सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपियों पर अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच की शुरू की,

वही सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। आरोपी जबलपुर की ओर भागते नजर आए। पुलिस उनकी मैपिंग करते हुए जबलपुर पहुंची। जहां पता चला कि संदेही दो युवक और एक युवती आईएसबीटी में उतरे है। विजय नगर पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। जिसके बाद जांच शुरू की गई, तो एक युवक और युवती कृषि उपज मंडी के पास एक यात्री निवास में मिले। विजय नगर पुलिस के सहयोग से टीम ने दोनों को पकड़ा और रीवा ले गई। पकड़े गए आरोपों से पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की जिसमे पुलिस को जानकारी मिली है कि दोनों ने बच्चे को 30 लाख मे महाराष्ट्र में बेचा है। जिसके बाद रीवा पुलिस की एक टीम जबलपुर से ही महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गई है। जहां महाराष्ट्र पुलिस की मदद से रीवा पुलिस ने दाविस दी जहां दोनों बच्चों को सकुशलता के साथ दो महिलाओं सहित आधा दर्जन संदेहियों को पुलिस ने पकड़ा है जिन्हें महाराष्ट्र से रीवा लेकर पुलिस आ रही है।

इनका कहना है

पूरे मामले की अभी जांच चल रही है जांच पूरी हो जाने के बाद कि पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। अभी कोई भी जानकारी नहीं दी जाएगी ।
अनिल सोनकर एडिशनल एसपी रीवा

हिन्दू क्षत्रिय वाहिनी संगठन द्वारा निकाली गई महाराणा प्रताप जी की शौर्य यात्रा

रीवा

हिन्दू क्षत्रिय वाहिनी संगठन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की शौर्य यात्रा को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर तरुणेन्द्र शेखर प्रताप सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया। महाराणा प्रताप की शौर्य यात्रा मार्तण्ड स्कूल से चलकर कॉलेज चैराहा सिरमौर चैराहा अस्पताल चैराहा प्रकाश चैराहा शिल्पी प्लाजा

होते हुए विवेकानंद पार्क में संपन्न हुई। शौर्य में बड़े हासौल्लास के साथ सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया शौर्य यात्रा का स्वागत शहर के विभिन्न व्यापारियों द्वारा किया गया जिसमें सिरमौर चैराहा में महेश स्वीट्स, अमहिया में वनस्पति बीज भंडार व शिल्पी प्लाजा में खत्री बूट हाउस के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वा गत किया गया। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की शौर्य यात्रा को सफल बनाने के लिए हिन्दू क्षत्रिय वाहिनी वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कु तरुणेन्द्र शेखर प्रताप सिंह द्वारा प्रशासन पत्रकार बंधु व्यापारी बंधुओ एवं सर्व समाज व संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। शौर्य यात्रा में प्रमुख रूप से शत्रुघ्न सिंह सलैया, केडी सिंह चंदेल शिल्परा, संग्राम सिंह, दिनेश सिंह, अभिषेक सिंह, राहुल सिंह सेंगर, मानवेंद्र सिंह गहरवार, बृजेंद्र सिंह परिहार, सुखेंद्र सिंह बघेल, मनोज विश्वकर्मा, शैलेश मिश्रा आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा चिरहुला मन्दिर में किया गया श्रमदान

रीवा। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देशानुसार आज दिनांक 10/05/2024 को चिरहुला मंदिर एवं चिरहुला पार्क में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे मंदिर परिसर की सफाई तथा पार्क एवं तालाब में एकत्रित हो रहे जल कुम्भी को बड़ी मानव श्रृंखला बनाकर साफ सफाई की गई। श्रमदान के दौरान पाया गया कि अपने शहर को साफ रखने में ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लोग जुड़ते है श्रमदान के माध्यम से यह भी देखा जा रहा है कि नव युवाओं में अपने शहर के साफ सफाई को लेकर नया उत्साह जागृत हुआ है। श्रमदान के माध्यम से

नगर निगम सभी नागरिकों से अपील करता है कि सभी नागरिक अपने शहर को साफ और स्वच्छ रखने में योगदान दे सप्ताह में 1 दिन कहीं ना कहीं शहर के किसी भी हिस्से में श्रमदान अवश्य करें। जिससे हम अपने शहर को प्रथम स्थान दिलाने में सफलता प्राप्त कर सकें। श्रमदान में नगर निगम रीवा की आईईसी टीम, स्वच्छता चौंपियन, नागरिकगण, वॉर्ड दरोगा, वॉर्ड के सफाई मित्र उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ही बताये काला धन कहां से आ रहा है: नागेन्द्र कल्चुरी

रीवा। तीन चरण के सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबन्धन की बढ़ती सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आपा खो दिये और ''हम दो और हमारे दो के नाम से प्रसिद्ध अदाड़ी व अम्बानी'' को नहीं छोड़ा और काला धन कांग्रेस को देने का आरोप लगा दिया। ऑल इण्डिया फारवर्ड ब्लाक मध्यप्रदेश के प्रवक्ता नागेन्द्र सिंह कल्चुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने 10 वर्ष के शासन काल में कभी भी अदाडी व अम्बानी का नाम नहीं लिया आखिर अब उनके ऊपर काला धन रखने का आरोप क्यों लगा दिया? कल्चुरी ने प्रधानमंत्री मोदी जी के वयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी आपने खुद कई प्रश्न खड़े कर दिये आपके सनसनी खेज वयान से पहला सवाल तो यह है कि 8 नबम्बर 2016 को आप टीवी पर आये और भूकम्प खड़ा कर दिया और देश

में नोटबंदी कर दी, आपने नोटबंदी इसलिए की थी की काला धन निकाला जाय और आज 8 साल बाद कह रहे है कि बोरे भर-भर के कालाधन अदाडी व अम्बानी के पास है? दूसरा सबाल दो मुख्य मंत्रियों को आपने जेल में बैठा दिया है ईडी और सीवीआई की कार्यवाही हुई है तो अदाडी और अंबानी के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं हुई, क्या ईडी और सीवीआई कुम्भकरणी निद्रा में सो रहे हैं? तीसरा सबाल आपके 10 वर्ष के कार्यकाल में जो निजीकरण हुआ है किसको बेचा गया है? आपने तो सार्वजनिक संपत्तियां अदाडी और अंबानी को....., अब प्रधानमंत्री ही बताये काला धन कहां से आ रहा है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन रहा सक्रिय

रीवा। विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन रीवा द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत बनाने हेतु ग्रामीण जनो के बीच जाकर जनता को जागरूक किया जा रहा है! अक्षय तृतीया पर शुभ मुहूर्त होने के कारण शादी ब्याह संबंधित कुछ कार्यक्रम होते है जिसके रोकथाम व जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसमे शिक्षा से वंचित समाज विशेष रूप से हरिजन, आदिवासी बस्तियों में जाकर ये बाते बताई गयी! अक्सर इन बस्तियों में बाल विवाह की घटनाएं सामने आती रहती है किंतु यदि उनके परिजनों को उन्हें बाल विवाह के दुष्परिणाम व कानूनी भय एवं बाल विवाह एक गैर कानूनी अपराध है इसके बारे में जानकारी देकर वंचित समाज के लोगो को अपने बच्चे व बच्चियों की शादी शासन द्वारा निर्धारित उम्र के अनुसार करने को कहे तो इसका बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यही जनजागृति फैलाने का कार्य विदिशा शोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की टीम द्वारा किया जा रहा है।

इसके साथ ही टीम के सदस्यों द्वारा अभिभावकों से मिलकर कम उम्र में अपने बेटे बेटियों की शादी न करने की समझाइश देकर उनसे बाल विवाह न कराने का संकल्प पत्र भराया जा रहा है। ज्ञात हो कि अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह जैसी कुछ घटनाएं देखने को मिल जाती है जिसके जागरूकता एवं रोकथाम के लिए बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए विदिशा सोशल वेलफेयर

रीवा की टीम कार्य कार्य कर रही है। जिसका बहुत ही सार्थक परिणाम देखने को मिल रहा है। आप मे से किसी की भी जानकारी में यदि बाल विवाह की जानकारी मिलती है तो जिला प्रशासन ,महिला एवं बाल विकास विभाग या विदिशा शोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन रीवा टीम को देने की कृपा करें जिससे मासूम बच्चों की जिंदगी को बचाया जा सके व उनके भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्म दिवस

रीवा। अक्षय तृतीया एवं भगवान श्री परशुराम जी के प्रकाटोत्सव के पावन अवसर पर विगत वर्ष की भाति इस वर्ष भी परशुराम भक्तगण समूह द्वारा आलौकिक दिव्य झांकीयो के साथ भगवान श्री परशुराम जी की अध्यात्मिक भारतीय संस्कृति तथा सनातनी संस्कृति के अनुरूप शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए निकाली गई।

शोभायात्रा दिनांक 10 मई को दोपहर 2 बजे करहिया मंण्डी प्रांगण से रवाना हुए ढोल बाजे और गाने के साथ इसका आयोजन हुआ इस शोभायात्रा में साधु संत, महात्मा, सभंत नागरिकगण, आध्यात्मिक धर्मावलम्बी जनमानस युवा तरूणायी शोभायात्रा में सम्मिलित हुए शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया ।

वन विभाग ने किया तेंदूए का सफल रेस्क्यू

रीवा । वनमण्डल रीवा के वनपरिक्षेत्र सिरमौर अंतर्गत ग्राम इटमा में पिछले कई दिनों से एक जंगली जानवर गांव के मवेशियों को मार रहा था। जिसकी जानकारी वन विभाग को दी गई। वन विभाग में नाइट विजन कैमरा लगाकर पालतू जानवर को मारने वाले जंगली जानवर की पहचान प्रारंभ की जांच में पाया गया। एक तेंदुआ है जो जंगली जानवरों को मार रहा है जिसके चलते तेंदुओं को पकड़ने का निर्णय लिया गया। उच्च अधिकारियों से परमिशन मिलने के बाद गांव में एक जगह पर केज की स्थापना की गई बीती रात भी तेंदुए ने एक बछड़े को मारा लेकिन वन विभाग ने उसे बछड़े को वहां से हटा दिया।

खबर संक्षेप

फर्जी पर्ची के सहारे ट्रक ड्रायवरों से वसूल रहे अवैध पैसा

अनूपपुर। रामपुर बटुरा ओपन कास्ट मे अवैध वसूली जारी है एवं ट्रकों से फर्जी दस्तावेज पर्ची से प्रति ट्रक 50 रूपये अवैध पैसा वसूला जा रहा है जिसके लिए एसईसीएल अपना पार्किंग बनाई है। रामपुर के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा द्वारा पर्ची छापकर अवैध वसूली किया जा रहा है जिससे ट्रक ड्राइवर को काफी नुकसान हो रहा है नही देने पर ड्राइवर से मारपीट किया जा रहा है। कई बार शिकायत किया गया लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है यदि पैसा नही दिया गया तो रात में तेल चोरी कर ले रहे है कट्टा बंदूक के नोक पर अवैध वसूली किया जा रहा है।

कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया का किया निरीक्षण

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जनपद पंचायत जैतहरी के भ्रमण के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने एएनएम से शुगर, ब्लड प्रेशर एवं आयरन सुक्रोज दवाइयां की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की जिस पर एएनएम ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार की दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इस दौरान कलेक्टर ने एएनएम को निर्देश दिए कि उप स्वास्थ्य केंद्र में दवाइयों की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। किसी मरीज को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इस दौरान कलेक्टर ने हाई रिस्क गर्भवती माताओं के संबंध में भी एएनएम से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन निर्माण संबंधी भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी बी.एम. मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रेत का अवैध उत्खनन पर 2 वाहन जप्त

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग के अमले द्वारा 9 एवं 10 मई 2024 की रात्रि को ग्राम गोधन निगौरा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान तिपान नदी में 02 वाहन ट्रैक्टर मय ट्राली क्रमशः स्वराज तथा हॉलैंड कम्पनी का बिना नम्बर का खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते खनिज विभाग की टीम द्वारा जब्त किया जाकर थाना जैतहरी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। उक्त वाहनों पर शासन के नियमानुसार कार्यवाही संस्थित की गई है खनिज अधिकारी ने बताया है कि खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध निरंतर अभियान संचालित किया जाकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी

नगमला में आकाशीय बिजली गिरने से चार मवेशियों की मौत

अनूपपुर। जिले के करनपठार थाना अंतर्गत नगमला गांव में एक किसान के घर के पीछे बंधे चार मवेशियो की बुधवार की देर रात अचानक आंधी तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आने पर स्थल पर ही मौत हो गई घटना की जानकारी पर पुलिस एवं पशुपालन विभाग द्वारा गुरुवार को कार्यवाही की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार करनपठार थाना अंतर्गत नगमला गांव निवासी नेपाल सिंह के घर के पीछे बंधे नेपाल सिंह की भैंस, गाय एवं बैल के साथ टकेश्वर पिता गुलाब सिंह की एक गाय बंधी रही। बुधवार की रात 8 बजे के लगभग अचानक तेज गरज-आंधी, तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिरने से बिजली की चपेट में आने पर चारों मवेशियों की स्थल पर ही मौत हो गई है, घटना की सूचना पर करनपठार पुलिस एवं पशु पालन विभाग द्वारा गुरुवार को मृत मवेशियों के शवो का पंचनामा एवं पीएम की कार्यवाही की गई है।

निकाली गई भव्य शोभायात्रा, लोगों ने बढ़ चढ़कर निभाई सहभागिता

जिले भर में रही परशुराम जयंती पर धूम

कोयलांचल नगरी में भी हुआ भव्य आयोजन
जगह-जगह हुये भण्डारे, संगीतमयी अमृतवाणी का भी हुआ आयोजन

जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल नगरी कोतमा व जिले भर में परशुराम जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जहां श्रद्धालुओं ने भव्य शोभायात्रा निकाली। जय श्री राम के नारों के बीच शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

अनूपपुर।

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जयंती जिला मुख्यालय सहित कोतमा नगर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई तथा उनके जीवन से त्याग की शिक्षा लेने का आह्वान किया गया। विप्र समाज द्वारा परशुराम जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अक्षय तृतीया पर प्रति वर्ष मनाई जाने वाली भगवान परशुराम की जयंती इस बार भीषण गर्मी के बाबजूद भारी उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिला मुख्यालय मे शुक्रवार को शनिधाम चेतना नगर अनूपपुर में भगवान परशुराम की जयंती वैदिक मंत्रो द्वारा पूरे रीती रिवाज से मनाई गई। इस अवसर पर अपरान्ह 3 बजे से वैदिक पूजन अर्चन, 4 बजे से सुन्दरकाण्ड का सस्वर पाठ का आयोजन किया गया जिसके बाद भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। ब्राह्मण समाज सेवा समिति अनूपपुर द्वारा शोभायात्रा शिवमारुति मंदिर सामतपुर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड से होते हुए नगरपालिका कार्यालय के पास होते हुए रेलवे स्टेशन राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना उपरांत शोभायात्रा सीधे मेन रोड रेलवे अंडरब्रिज होते हुए इंदिरा तिराहा से शंकर मंदिर रोड़ से सीधे बूढ़ी माई मंदिर बस्ती से आर्शीवाद मैरिज गार्डन वार्ड क्रमांक 13 अमरकंटक तिराहा में प्रवचन कार्यक्रम राघव जी महाराज, श्री धाम वृन्दावन के मुखारबिंद से संगीतमय अमृतवाणी हुई, तत्पश्चात विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलेवासियों ने धार्मिक कार्यक्रम में सपरिवार सहभागिता निभाकर भार्गव भगवान परशुराम जी का आर्शीवाद प्राप्त किया वही आयोजन में शामिल नहीं हो पाये ब्राह्मणों ने अपने घरों में पूजा-अर्चना कर शाम को दीप प्रज्ज्वलित किया।

छात्रावास में पानी, सफाई और बिजली की समस्या पर छात्रों का फूटा गुस्सा

आधी रात को इंगांराजवि के छात्रों ने कुलपति के बंगले का किया घेराव

अनूपपुर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक में छात्रों का गुस्सा छात्रावास में पीने का पानी, साफ सफाई और कई दिनों से बिजली नहीं होने पर गुस्सा फूटा जिस पर छात्रों ने आधी रात को कुलपति के बंगले का घेराव कर विश्वविद्यालय प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय में दो दिनों से बिजली नहीं थी। बिजली कटौती की वजह से हॉस्टल में पीने का पानी भी नहीं था जिससे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा जिससे आक्रोशित छात्रों ने गुरूवार-शुक्रवार की रात 2.30 बजे कुलपति बंगले का घेराव करते हुए छात्रों ने आरोप लगाए कि विश्वविद्यालय में जनरेटर होने के बाद भी वह बंद पड़े हुए हैं। दो दिनों से हॉस्टल में पानी, बिजली की व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नहीं किए जा रहा है। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र आयुष राय ने बताया कि तेज आंधी तूफान की वजह से विश्वविद्यालय की बिजली की बंद हो जाती है। विश्वविद्यालय में जनरेटर होने के बाद भी उसे चालू नहीं किए जाता था। जिससे पानी, बिजली आदि की समस्या उत्पन्न होती थी। लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन से जनरेटर चालू करने की बात कही गई, लेकिन उसके बाद भी ध्यान नहीं दिया गया। जिससे आधी रात को विश्वविद्यालय के कुलपति के बंगले का घेराव किया गया।

अक्षय तृतीया पर गुड्डा और गुड़ियों का रचाया ब्याह

घरों में बच्चों ने की सजावट, कराया विवाह

अनूपपुर/कोतमा।

अक्षय तृतीया पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित कोतमा नगर एवं कोयलांचल सहित ग्रामीण क्षेत्र में विविध धार्मिक आयोजन किया गया। इस दिन परशुराम जयंती पर जहां मंदिरों में विशेष पूजन, शोभायात्रा के आयोजन हुये वहीं गुड्डा-गुडिय़ों का विवाह भी बच्चे, युवतियां बरगद केला के पेड़ के नीचे एवं घरों में मंडप सजाकर सात फेरे देकर कराया। इसके लिए बच्चों की गुरुवार को दिनभर तैयारियां चलीं, वहीं बाजार में भी गुड्डा-गुडिय़ा खरीदने वालों की भीड़ लगी रही। शुक्रवार को भी जिला मुख्याल सहित कोतमा नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र गांधी चौक स्टेशन चौक पुराना स्टेट बैंक रोड के आसपास चक्रवर्ती, कुम्हार फुटपाथी व्यापारियों द्वारा गुड्डा-गुडिय़ा की जोडिय़ां बेचने के लिए लाई गई थीं। अलग-अलग वैरायटी में यह जोडिय़ां बाजार में उपलब्ध थीं। कुछ बच्चे छोटे तो कुछ बड़े गुड्डा-गुडिय़ा खरीदते नजर आए। इस तरह दिन भर बाजार में इनका विक्रय चलता रहा। 30 रुपए से 100 रुपए तक इनकी कीमत रही।

घर ले जाकर किया तैयार, ड्रेस को लेकर भी चॉइस

बच्चों ने गुड्डा-गुडिय़ों को घर ले जाने के बाद उन्हें तैयार किया गया। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ उनकी मम्मियां भी दूल्हे और दुल्हन की ड्रेस को लेकर काफी माथापच्ची करती नजर आईं। कपड़ों को सिलेक्ट करने के बाद उनके नाप के कपड़े किसी ने सिलवाएं तो कई घरों में खुद ही दुल्हन का लहंगा और दूल्हें का कुर्ता, पायजामा, धोती जैसे वस्त्रों को तैयार किया गया। साथ ही मेकअप, तिलक, पगड़ी, मोजरी तक का ध्यान बच्चे देते नजर आए। सबसे ज्यादा बच्चों का फोकस मेचिंग पर रहा। कराये सात फेरे, साथ में हुई पार्टी शुक्रवार को अक्षय तृतीया के दिन इन गुड्डा-गुडिय़ों का विवाह बरगद केला के पेड़ के नीचे के साथ ही घरों में मंडप सजाकर किया गया। इनके आसामी यानि इन्हें लेकर आने वाले बच्चे, युवतियां, महिलाएं पेड़ एवं मंडप के नीचे पूरी रीति-रिवाज के साथ गुड्डा-गुडिया का विवाह संपन्न कराया।

साथ ही एक सूत्र से बगरद में बांधते हुए सात फेरे संपन्न कराया। साथ ही गांठ बांधते हुए विदा करते हुए वापस घर ले गये। विवाह संपन्न होने के बाद वहीं आसपास पार्टी भी हुई। जिसमें घर से लाये पकवानों का स्वाद लिया गया। जिसमें चना की फूली हुई दाल, बेसन के भजिया प्रमुख रूप से रखा गया। कुछ लोग इस दिन गक्कड़, भर्ता के प्रोग्राम भी किये।

नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

अनूपपुर।

शहडोल संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद तथा कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में जिले में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पवित्र नगरी अमरकंटक के विभिन्न सरोवरों सहित नगरीय क्षेत्र के प्रमुख व रहवासी क्षेत्र में साफ- सफाई, नालियों की सफाई अमरकंटक स्थित सरोवरों की स्वच्छता के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है जिसमें नगरीय निकाय की टीम के साथ ही स्थानीयजन, स्वयंसेवी कार्यकताऱ्ओं आदि लोगों का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है जिले के विभिन्न नगरीय क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष कार्य किए जा रहे हैं प्रातः काल से ही नगरीय क्षेत्र में साफ सफाई अमले के द्वारा प्रारंभ कर दी जाती है तथा आम लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक कर उन्हें स्वच्छता के लिए सहयोग देने प्रेरित भी किया जा रहा है कचरा निपटान के संबंध में नागरिकों को जानकारी देने के साथ ही कचरा गाड़ियों में समय पर कचरे का निष्पादन करने के संबंध में अवगत कराया जा रहा है जिले के नगरीय निकाय अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा, बनगंवा, बिजुरी आदि क्षेत्रों में स्वच्छता के कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के द्वारा स्वच्छता की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है तथा स्वच्छता गतिविधियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए जा रहे हैं इसके परिणाम स्वरूप नगरीय निकाय की पूरी टीम सक्रियता से मैदानी क्षेत्रों में स्वच्छता की गतिविधि में संलग्न दिखाई पड़ती है। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को प्रतिदिन स्वच्छता गतिविधियों तथा नगर सेवा अभियान की मैदानी भ्रमण कर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए दिए गए निर्देश का पालन सुनिश्चित हो।

वृद्धाश्रम एवं ममता बालगृह का किया गया निरीक्षण

अनूपपुर।

10 मई को मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर रविन्दर सिंह के निदेर्शानुसार जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती मोनिका आध्या के द्वारा कल्याण वृद्वाश्रम एवं ममता बालगृह अनूपपुर में विधिक साक्षरता शिविर के आयोजन के साथ निरीक्षण किया गया। जिसमें उनके द्वारा वृद्धजन को प्रदान किये जाने वाले भोजन, आश्रम की साफ-सफाई एवं भोजन सारणी पंजी इत्यादि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला न्यायाधीश से उपस्थित ग्रामवासियों ने वृद्धाश्रम के पास लगे हैण्डपम्प के सुधार कार्य हेतु निवेदन किया गया। जिस पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया और मौके से ही पीएचई विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में तत्काल कार्यवाही करने हेतु दूरभाष पर चर्चा की गयी। इसके पश्चात महोदया द्वारा ममता बालगृह के निरीक्षण के दौरान उपस्थित बच्चों से बातचीत की गई एवं उनके स्वास्थ्य, भोजन, मनोरंजन, पढ़ाई-लिखाई, इत्यादि की जानकारी ली गई। इस दौरान ममता बाल गृह में उपस्थित परिजनों से बातचीत की गयी। जिस पर एक महिला अपने पुत्र को लेने इंदौर से अनूपपुर आई हुई थी। जिसकी सहायता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के माध्यम से की गई। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह एवं प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे।

थोक सब्जी मार्केट व स्कूल मार्ग में के अतिक्रमण के विरुद्ध की गई कार्यवाही

अनूपपुर।

10 मई जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में संचालित थोक सब्जी मंडी मार्केट की व्यवस्था को ठीक किए जाने संबंधी टीएल बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में तहसीलदार व मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नेतृत्व में स्थानीय प्रशासन का अमला मंडी क्षेत्र में पहुंचा तथा अव्यवस्थित सब्जी दुकान लगाने वालो तथा मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की। इस दौरान कृषि उपज मंडी क्षेत्र में सब्जी की दुकान लगाने वाले दुकानदारो ने भी अमले का सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि कृषि उपज मंडी स्थित थोक सब्जी मंडी मार्केट से होकर शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का रास्ता जाता है जिससे छात्र-छात्राओं को बड़ी ही असुविधा का सामना करना पड़ता है इसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने संज्ञान लेकर अधिकारियों को सब्जी मंडी मार्केट को व्यवस्थित करने तथा स्कूल जाने वाले मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए थे जिसके परिपालन में स्थानीय प्रशासन द्वारा उक्त कार्यवाही की गई है।